आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 02.02.2026
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा– केंद्रीय बजट से उत्तरखंड को समावेशी, संतुलित और सतत विकास की नई दिशा मिलेगी।
- मुख्यमंत्री धामी ने देहरादून में श्रमिक प्रशिक्षण पोर्टल का शुभारंभ किया।
- उत्तराखंड के उत्पादों का ब्रांड– 'हाउस ऑफ हिमालयाज की बिक्री का आंकड़ा दो साल के भीतर साढ़े तीन करोड़ रुपए के पार पहुंचा।
- लोक भवन देहरादून में आगामी 27 फरवरी से पहली मार्च तक पुष्प प्रदर्शनी– वसंतोत्सव आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री/बजट

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय बजट को विकसित भारत और आत्मनिर्भर उत्तराखंड की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी बजट बताया। आज देहरादून स्थित पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा यह बजट देश की आत्मा, आत्मविश्वास और विकासशील सोच को मजबूती प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इस बजट से उत्तरखंड को समावेशी, संतुलित और सतत विकास की नई दिशा मिलेगी।

श्रमिक पोर्टल

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देहरादून में उत्तराखण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा विकसित श्रमिक प्रशिक्षण पोर्टल का शुभारंभ किया। यह पोर्टल पंजीकृत श्रमिकों और उनके आश्रित परिवारजनों के कौशल विकास को पारदर्शी, प्रभावी वं तकनीक–आधारित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। श्रमिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को पूरी तरह ऑनलाइन और पारदर्शी बनाए जाने के उद्देश्य से यह पोर्टल बनाया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कौशल प्रशिक्षण के बाद श्रमिकों के सर्वांगीण विकास से जुड़ी अन्य आवश्यकताओं पर भी प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप प्लम्बर, कारपेंटर, इलेक्ट्रीशियन आदि व्यवसायों में प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया, जिससे स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति स्थानीय श्रमिकों से हो सके और रोजगार के अवसर बढ़ें।

जनसुनवाई

प्रदेश के विभिन्न जिलों में आज जनसुनवाई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बागेश्वर तहसील परिसर में अपर जिलाधिकारी एन.एस. नबियाल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में सड़क, स्वास्थ्य, पेयजल, बिजली और शिक्षा सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि इस दौरान 19 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से कुछ का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों का एक हफ्ते के भीतर निस्तारण करने के संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए।

उधर, पिथौरागढ़ कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी दीपक सैनी की अध्यक्षता में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में दर्ज 49 शिकायतों में से 30 का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि शेष मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए। वहीं, हरिद्वार के मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र की अध्यक्षता में आज जिला कार्यालय सभागार में जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित दर्ज की गईं 51 शिकायतों में से 28 का मौके पर निराकरण किया गया, जबकि शेष समस्याओं के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

हाउस ऑफ हिमालयाज

उत्तराखंड के उत्पादों का ब्रांड– 'हाउस ऑफ हिमालयाज' अपनी शुरुआत के दो साल के भीतर साढ़े तीन करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री करने में कामयाब रहा है। जल्द ही इसके उत्पाद विदेशों में भी बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। ग्राम्य विकास विभाग के अधीन, हाउस ऑफ हिमालयाज, उत्तराखंड के महिला स्वयं सहायता समूहों, किसानों, किसान उत्पादक संगठनों और ग्रामीण उद्यमियों द्वारा बनाए गए उत्पादों का सामान्य ब्रांड है। दिसंबर 2023 में देहरादून में आयोजित ग्लोबल इंवेस्टर समिट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया था। इसके बाद से हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पादों की एका–एक मांग बढ़ी है और बीते दो साल में कुल बिक्री का आंकड़ा तीन करोड़ सात लाख करोड़ के पार पहुंच गया है। अब हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड के उत्पाद ऑफलाइन के साथ ही प्रतिष्ठित ई–कामर्स वैबसाइट्स और ब्रांड की खुद की अपनी वेबासइट हाउस ऑफ हिमालयाज डॉट कॉम पर भी मिल रहे हैं।

मौजूदा समय में हाउस ऑफ हिमालयाज में 50 उत्पादों को शामिल किया गया है। इनमें मिलेट्स बिस्किट, मुन्स्यारी, चकराता और हर्षिल की राजमा, चौलाई, तोर दाल, पहाड़ का परंपरागत लाल चावल, झंगोरा, गहथ, काले भट्ट, चाय, तेल, पर्सनल केयर, हैंडीक्राफ्ट आदि उत्पाद शामिल हैं। इसके उत्पादों की गुणवत्ता की जांच तीन स्तरों पर की जा रही है। सरकार स्थानीय मेलों, त्यौहार के मौकों पर हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पादों को खरीदने पर जोर दे रही है। साथ ही सरकारी कार्यक्रमों और कार्यालयों के जरिए भी बिक्री बढ़ाने की रणनीति तैयार की गई है। हाउस ऑफ हिमालयाज में अब तक 22 ट्रेडमार्क पंजीकृत किए जा चुके हैं। इस उत्पाद श्रंखला से राज्य की तीन हजार 300 से अधिक ग्रामीण महिलाएं प्रत्यक्ष तौर पर जुड़ी हुई हैं। जबकि व्यापक क्रय नेटवर्क के माध्यम से 28 हजार से अधिक महिलाओं को इसका अप्रत्यक्ष लाभ मिला है। ये उत्पाद प्रमुख शहरों में 26 आउटलेट्स के जरिए बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। इसके उत्पादों को विदेशी बाजार में

उपलब्ध कराने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकल टू ग्लोबल विजन के अनुसार हाउस ऑफ हिमालयाज का उद्देश्य उत्पादों की गुणवत्ता और पैकेजिंग को सुदृढ़ बनाकर, प्रामाणिक हिमालयी उत्पादों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रीमियम बाज़ारों में स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश के किसानों और महिला स्वयं सहायता समूहों की आर्थिकी मजबूत हुई है।

वसंतोत्सव

लोक भवन देहरादून में आगामी 27 फरवरी से पहली मार्च तक पुष्प प्रदर्शनी– वसंतोत्सव आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में आज लोक भवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। राज्यपाल ने वसंतोत्सव को पूरे उमंग, उत्साह और उत्सव के रूप में आयोजित करने और इसमें अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने वसंतोत्सव के व्यापक प्रचार–प्रसार करने पर जोर देते हुए कहा कि यह आयोजन केवल स्थानीय स्तर तक सीमित न रहे, बल्कि इसे अन्य राज्यों से भी जोड़े जाने के प्रयास किए जाएं। इसके लिए अन्य प्रदेशों के अधिकारियों और प्रतिनिधियों को आमंत्रित किए जाने के निर्देश भी दिए गए। राज्यपाल ने वसंतोत्सव के दौरान राज्य की महिला स्वयं सहायता समूहों के सहयोग से पारंपरिक मोटे अनाज की थीम पर आधारित फूड कोर्ट स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी घोषणा की कि इस वर्ष से वसंतोत्सव के अवसर पर प्रगतिशील किसान, महिला और युवा स्टार्टअप को 'राज्यपाल विशेष पुरस्कार' से सम्मानित किया जाएगा। पुष्प उत्पादन के क्षेत्र में इन तीन श्रेणियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। बैठक में राज्यपाल ने आयोजन से संबंधित सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

अतिक्रमण

हरिद्वार में आगामी शारदीय कांवड़ मेले को सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अलग–अलग पुलिस टीमों ने अतिक्रमण के विरुद्ध सघन अभियान चलाया। अभियान के दौरान हरकी पैड़ी, सुभाष घाट और पोस्ट ऑफिस से भीमगौड़ा तक सड़क किनारे, पुलों व घाटों के आसपास किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। इस दौरान पुलिस ने चालानी कार्रवाई कर शुल्क वसूला।